महर्षि पतञ्जलि संस्कृत संस्थान द्वारा विहित नवीन पाठ्यक्रम अनुसार ब्लूप्रिंट

कक्षा– 06ठी **पूर्णांक– 80**

विषय–ज्योतिषम् **विषय कोड–0605** **समय– 3:00 घंटे**

क्र.	इकाई एवं विषय वस्तु **बृहद्वकहडाचक्रम्** (80 अंक)	इकाई वार आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल प्रश्न
			1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	5 अंक	
1	**वारादिप्रकरणम्** –मङ्गलाचरणम् वारनामानि ,शुभाशुभवाराः वारदोषपरिहारः,तैलाभ्यंगेशुभाशुभवा., तत्र दौषपरिहारः मासः,ऋतवः,अयनम्,अयनकृत्यम्,तिथिः,नन्दादितिथयः,तत्र कृत्यम्, सिद्धयोगाः,मृत्युयोगाः,अमृतयोगाः **नक्षत्रप्रकरणम्,** नक्षत्रनामानि, नक्षत्रदेवताः शतपदचक्रविवरणम्, ध्रुवगणः,चरगणः, उग्रगणः, मित्रगणः	**10**	04	01	–	01	–	**02**
2	लघुगणः,मृदुगणः,तीक्ष्णगणः,पञ्चकम्,त्रिपुष्करयोगः,अन्धादिसंज्ञा, तत्रफलम्, करणज्ञानम्, योगनामानि, सप्तकरणानि, विष्टिः, भद्रावासः,	**10**	02	01	02	–	–	**03**
3	**राशिप्रकरणम्–** राशिनाम, राशीशाः उच्चनीचग्रहाः,चन्द्रफलम्, तद्बोधकचक्रम्, ग्रहभुक्तसंख्या, **मुहूर्तप्रकरणम्,** गर्भाधानम्, पर्वतिथयः सूतीस्नानम्, नामकरणम्, निष्क्रमणम्, भूम्युपवेशनम्, शिशुविलोकनम् , दन्तोत्पत्तिकथनम्, अन्नप्राशनम्, मुण्डनम्, विद्यारम्भः, यज्ञोपवीतमुहूर्तः, उपनयम् ,छुरिकाबन्धनम् ,	**15**	04	01	–	01	01	**03**
4	**विवाहप्रकरणम्–**वरवरणम्,कन्यावरणम्,तैलहरिद्रालेपनम्, मण्डपरचना, विवाहनक्षत्राणि, विवाहमास, गणनाविचारः,वर्गविज्ञानम्, वश्यकूटम्, ताराकूटम् ,योनिविचारः,यौनिवैरम्, ग्रहमैत्री, गणविज्ञारः, गणफलम्, गणपरिहारः,नाडीकटम्, नाडीकूटफलम्, नाडीदोषपरिहारः, वर्णकटम्, राशिभेदः, सूर्यविचारः	**15**	04	01	–	01	01	**03**
5	**यात्राप्रकरणम्**–दिशः विदिशश्च, दिक्शूलम्, तत्परिरहार :महर्घता विचारः, घातचन्द्रः, योगिनीविचारः, योगिनीफलम्, भद्राफलम, यात्रानिषधः, यात्रामूहूर्तः, यात्रायां शुक्रफलम्, कालयोगः, वधूप्रवेशः, द्विरागमनम् ,द्वयङ्गप्रकरणम्,	**10**	05	01	01	–	–	**02**
6	**मिश्रप्रकरणम्**– पाकारम्भः,केशबन्धनम्, अलङ्करणम्, चुल्हिाकास्थापनम , चुल्हिकोपरिमृद्भाoशतभिषायां स्नाननिषे, पुंसः नववस्त्रधारणम्, स्त्रियः नववस्त्रधारणम्, सूचीकर्म, वस्त्रक्षालनम्, कृषिप्रकरणम्, हलप्रकरणम् , बीजवपनम्, धान्यच्छेदनम्, कणमर्दनम्, मेधिस्थापनम्, धान्यप्रवेषणम्, नवात्रभक्षणम् , वह्निवास :	**10**	02	01	02	–	–	**03**
7	भैषज्यनिर्माणम्, रोगगबिमुक्तस्नानम्, गृहप्रकरणम्, गृहारम्भ, गृहप्रवेशः ,दीक्षाग्रहणम्,कूपादिखननम्,जलाशयादिप्रतिष्ठा, देवप्रतिष्ठा, क्षौरमुहूर्तः, ऋणग्रहणमुहूर्तः,ऋणोद्वारः,क्रय–विक्रयमुहूर्तः,खटवोपभोगः,सर्वार्थसिद्धिः ,जन्मपत्रलेखनप्रकारः	**10**	04	01	–	01	–	**02**
		कुल प्रश्न	**05**	**07**	**05**	**04**	**02**	**18+05 = 23**
		कुल अंक	**25**	**14**	**15**	**16**	**10**	**80**

प्रश्न पत्र निर्माण हेतु निर्देश :–

1. प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसमें बहुविकल्पीय 05 अंक, रिक्तस्थान 05 अंक, सही जोड़ी 05 अंक, सत्य–असत्य 05 अंक, एकपद 05 अंक, संबंधी प्रश्न होगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघुत्तरीय 02 अंक के प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछे जाने है।
3. 03 अंक, 04 अंक एवं 05 अंकीय, लघुत्तरीय, दीर्घोत्तरीय तथा विश्लेषणात्मक प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का प्रावधान होगा। यह विकल्प समान इकाई तथा समान कठिनाई स्तर वाले होगें।
4. इन प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार होगी।

- अतिलघुत्तरीय प्रश्न 02 अंक लगभग 20
- लघुत्तरीय प्रश्न 03 अंक लगभग 40
- दीर्घोत्तरीय प्रश्न 04 अंक लगभग 80
- विश्लेषणात्मक 05 अंक लगभग 120 शब्दों में
- विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का कौशल व कठिनाई स्तर निम्नानुसार रहेगाः–

कौशल–	ज्ञान/स्मरण–10%	समझ आधारित–50%	अनुप्रयोग–30%	उच्च स्तरीय चिंतन/ विश्लेषणात्मक 30%
स्तर–	सरल –30%	औसत – 50%	कठिन –20%	